**पोलीटेक्निक स्कूल**

1280. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या **शिक्षा और समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में कुल कितने पोलीटेक्निक स्कूल अथवा कालेज हैं ;

(ख) प्रतिवर्ष इन संस्थाओं में प्रवेश चाहने वाले छात्रों की संख्या कितनी है ;

(ग) क्या इस प्रकार की आम शिकायत है कि उक्त संस्थाओं से डिप्लोमा प्राप्त व्यक्तियों को रोजगार नही मिल रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो तकनीकी योग्यताओ वाले व्यक्तियों को तत्काल रोजगार दिलाने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

**शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव)** : (क) और (ख). हमारे देश में इस समय 283 पोलीटेकनिक स्कूल है जिनमे प्रतिवर्ष लगभग 45,000 विद्यार्थियों को प्रवेश देने की क्षमता है। किन्तु इंजीनियरी के स्नातकों तथा डिप्लोमाधारियों में इस समय फैली हुई बेरोजगारी के कारण पिछले तीन वर्षों के दौरान यह प्रवेश संख्या कम करके 28,000 तक सीमित कर दी गई है।

(ग) और (घ). उद्योगों मे मंदी आने से तथा चौथी पंचवर्षीय योजना में निर्धारित योजनाओं को स्थगित कर देने के कारण, इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी वर्गों के कार्मिकों में पिछले चार-पांच वर्षों से व्यापक बेरोजगारी फैली हुई है। इंजीनियरी सम्बन्धी कार्मिकों के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उत्पन्न करने हेतु केन्द्रीय सरकार ने 1968 में अनेक उपाय शुरू किये थे। इन उपायों तथा अब तक हुई प्रगति के विषय में एक विस्तृत विवरण तारांकित प्रश्न संख्या 46 के उत्तर के साथ 31 मार्च 1971 को सभा-पटल पर रखा जा चुका है।

**संस्कृत का प्रचार और विकास**

1281. **डा० लक्ष्मी नारायण पांडे** : क्या **शिक्षा और समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष के दौरान संस्कृत के प्रचार और विकास पर सरकार द्वारा कितनी राशि व्यय की गई ;

(ख) किस माध्यम से यह राशि व्यय की जाती है ;

(ग) क्या संस्कृत के प्रचार और विकास के लिये सरकार को सुझाव देने के लिए कोई विशेष समिति गठित की गई है ; और

(घ) यदि हां, तो उक्त समिति के सदस्यो के नाम क्या हैं ?

**शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव)** : (क) 49.88 लाख रुपये।

(ख) राज्य सरकारें, स्वायत्तशासी संगठन, स्वैच्छिक संस्कृत संगठन/संस्था और व्यक्ति।

(ग) केन्द्रीय संस्कृत परिषद की स्थापना (भूतपूर्व केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड के स्थान पर) जनवरी, 1970 में की गई थी, जो संस्कृत प्रचार और विकास से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देती हैं।

(घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया हैं। [ग्रंथालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—315/71]

**भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी विद्यार्थी**

1282. **डा० लक्ष्मी नारायण पांडे** : क्या **शिक्षा और समाज कल्याण** मंत्री यह बताने